आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 11.04.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- चारधाम यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिये बारह करोड़ पचहत्तर लाख रुपए की धनराशि अवमुक्त की गई।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में दशकों पुराने और उपेक्षित कुओं के जीर्णोद्धार के लिये विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये।
- सैनिक स्कूल घोड़ाखाल को वर्ष 2024 में एनडीए में सर्वाधिक कैडेट भेजने के लिए रक्षा मंत्री ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।
- मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में आज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी की चेतावनी दी है।

चारधाम यात्रा

प्रदेश सरकार, चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे रही है। यात्रा मार्गों पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिये बारह करोड़ पचहत्तर लाख रुपए की धनराशि गढ़वाल कमिश्नर और संबंधित जिलाधिकारियों को अवमुक्त की गई है। इसके तहत रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों को तीन–तीन करोड़ रुपये मिले हैं।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का कहना है कि तीर्थयात्रा के लिए स्थानीय प्रशासन, पर्यटन विभाग और अन्य विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर टिकटों की कालाबाजारी रोकने और यात्रा मार्गों पर अवैध पार्किंग शुल्क वसूली पर सख्ती बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निगरानी के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन पंजीकरण, मोबाइल ऐप और आधार नंबर के जरिए पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हरिद्वार, ऋषिकेश, हर्बटपुर और देहरादून के पर्यटन विकास परिषद मुख्यालय में ऑफलाइन पंजीकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

तीर्थयात्रा के दौरान देहरादून स्थित राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम हर वक्त संचालित रहेगा। टोल फ्री टूरिज्म हेल्पलाइन नंबर 0135–1364 के अलावा 0135–2552627 और 2559898 पर भी यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी ली जा सकती है।

निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में दशकों पुराने और उपेक्षित कुओं के जीर्णोद्धार के लिये विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। बरसात से पहले इन कुओं की सफाई और रख–रखाव कर उन्हें पुनर्जीवित किया जाएगा, जिससे जल स्रोतों को बचाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुएं हमारी सभ्यता और संस्कृति का हिस्सा हैं। गांवों से लेकर शहरों तक कई ऐसे प्राचीन कुएं हैं जिन्हें फिर से प्रयोग में लाकर जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ जलापूर्ति व्यवस्था में बदलाव और उपेक्षा के कारण कई कुएं अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं। सरकार अब इन्हें साफ–सुथरा कर पुनः उपयोगी बनाने की दिशा में काम करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से कुओं को पुनर्जीवित किया जाएगा।

गौरतलब है कि सरकार की 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा)' योजना के तहत जल स्रोतों के संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में जल संरक्षण अभियान 2024 में अब तक 6 हजार 350 सूखे जल स्रोत चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 929 का उपचार किया जा चुका है। इसके अलावा मैदानी क्षेत्रों में भूजल रिचार्ज के लिए 297 रिचार्ज शॉफ्ट बनाए गए हैं। वर्षा जल संचयन के जरिये पिछले वर्ष 3 दशमलव 21 मिलियन घन मीटर जल रिचार्ज किया गया।

पारंपरिक उत्पाद बढ़ावा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार एक ओर जहां 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित कर रही है, तो वहीं 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के जरिये महिलाओं द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला रही है। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि इन पारंपरिक उत्पादों के आगे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पाद भी फीके लगते हैं। तमाम चुनौतियों के बावजूद उत्तराखंड ने बीते तीन वर्षों में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनकी गूंज अब पूरे देश में सुनाई दे रही है।

सम्मान

नैनीताल जिले के घोड़ाखाल सैनिक स्कूल को वर्ष 2024 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में सर्वाधिक कैडेट भेजने के लिए रक्षा मंत्री ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान स्कूल को 10वीं बार मिला है, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और देशसेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यह ट्रॉफी बिहार के तिलैया सैनिक स्कूल में आयोजित अखिल भारतीय सैनिक विद्यालय सम्मेलन के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन विजय सिंह डंगवाल को प्रदान की गई। सम्मेलन में देशभर के 33 सैनिक स्कूलों ने भाग लिया, जिनमें घोड़ाखाल का प्रदर्शन सबसे श्रेष्ठ रहा। स्कूल की स्थापना 1966 में हुई थी और तब से यह कई सैन्य अधिकारी देश को दे चुका है।

प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन डंगवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड और सैनिक स्कूल परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इसे कैडेटों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया।

मौसम

प्रदेश में आज और कल मौसम का मिजाज बदला रहेगा। राज्य के अधिकांश हिस्सों में इस दौरान गरज और चमक के साथ बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अनुमान है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश के साथ बिजली गिरने और ओले पड़ने की संभावना है। साथ ही 50 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

इस खराब मौसम के कच्चे और कमजोर मकानों को नुकसान पहुंच सकता है, पेड़ गिर सकते हैं, खुले में खड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो सकते हैं और खेतों में खड़ी या कटी फसलें प्रभावित हो सकती हैं।

लोगों को सलाह दी गई है कि वे इस दौरान सुरक्षित पक्के मकानों में रहें, बिजली से जुड़े उपकरणों से दूर रहें और मवेशियों को खुले में न बांधें। खेतों में रखी उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें।

इस बीच, कल शाम राजधानी देहरादून सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में कल तेज आंधी के साथ ओलावृष्टि और बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट आई है और गर्मी से राहत मिली है।

वनाग्नि जागरूकता

पौड़ी गढ़वाल में वन विभाग ने वनाग्नि सुरक्षा को लेकर मुख्य बस अड्डे पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान सभी कमर्शियल बसों और टैक्सियों पर जागरूकता संबंधी स्टीकर लगाए गए और वाहन चालकों व परिचालकों को जंगल में आग की घटनाओं को लेकर सतर्क किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों द्वारा जलती बीड़ी, सिगरेट या माचिस की तिल्ली जंगलों में फेंकने से आग लगने की घटनाएं बढ़ती हैं, जिससे वन संपदा और वन्य जीवों को भारी नुकसान होता है। वन दरोगा अरविन्द रावत ने बताया कि वनाग्नि काल को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें परिवहन यूनियनों के माध्यम से चालकों, परिचालकों और आम लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

कार्यशाला

चम्पावत जिले के लोहाघाट के स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ''समान नागरिक संहिता 2025'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विवाह पंजीकरण की अनिवार्यता और उसकी प्रक्रिया को समझाना था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का विवाह 26 मार्च 2010 के बाद हुआ है, उनके लिए विवाह पंजीकरण अनिवार्य है। उत्तराखंड सरकार इस दिशा में नागरिकों को जागरूक और प्रेरित कर रही है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रकाश लखेड़ा ने समान नागरिक संहिता के दर्शन और सिद्धांतों पर चर्चा की और बताया कि यह संहिता, लैंगिक समानता और न्यायपालिका के निर्देशों के अनुपालन में लागू की गई है।